Result Mitra Daily Magazine

प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन को मंजूरी

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में भारतीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार (25 नवंबर) को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत "प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन" (NMNF, National Mission on Natural Farming) के शुभारंभ को मंजूरी दे दी है।
- प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (NMNF) एक स्टैंड अलोन केंद्र आयोजित योजना के रूप में कार्य करेगा।
- इस राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य देश भर में प्राकृतिक खेती को बढ़ाना है।

❖ प्राकृतिक खेती क्या है ?

- कृषि मंत्रालय प्राकृतिक खेती को एक "रसायन मुक्त" कृषि प्रणाली के रूप में परिभाषित करता है।
- प्राकृतिक खेती एक पारंपरिक खेती पद्धति है, जो केवल पशुधन और पौधों के संसाधनों का उपयोग करके बिना किसी रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के प्रयोग के लिए किया जाता है।

- प्राकृतिक खेती में गोबर खाद एवं जैविक कीटनाशक तथा पेड़–पौधे के पत्ते से निर्मित खाद का उपयोग किया जाता है।
- प्राकृतिक खेती पद्धति पर्यावरण के अनुरूप एवं फसलों की लागत कम करने में कारगर है।
- प्राकृतिक खेती जापान के किसान एवं दार्शनिक मासानोबू फुकुओका द्वारा स्थापित कृषि की पर्यावरणरक्षी प्रणाली है।
- भारत में प्राकृतिक खेती को "कृषि खेती" कहा जाता है।
- कृषि मंत्रालय प्राकृतिक खेती पद्धति को सबसे पहले अधिक उर्वरक खपत वाले जिलों में लागू करेगी।

❖ क्या प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (NMNF) एक नई पहल है ?

- वर्तमान में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावित "प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन" (NMNF) की शुरुआत वर्ष 2019 में की गई थी।
- 2019 में शुरू की गई NMNF भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP)का सुधारात्मक रूप है।
- इस पहल को परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) की एक व्यापक योजना के तहत शुरू की गई थी।
- इस पहल के तहत केंद्र सरकार ने "नमामि गंगे योजना" के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में गंगा नदी के किनारे 5 km तक की बेल्ट में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया था।
- वर्तमान केंद्रीय मंत्रिमंडल ने NMNF के माध्यम से भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति से प्राप्त अनुभवों को मिशन मोड में बढ़ाने का निर्णय लिया है।
- इसी वर्ष 23 जुलाई को वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण के दौरान अगले दो वर्षों में देश भर में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती में शामिल करने की योजना की घोषणा की थी।

❖ प्राकृतिक खेती के अंतर्गत अब तक कितना क्षेत्र कवर किया गया है ?

- भारत में अब तक कुल मिलाकर 22 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया गया है एवं इसमें लगभग 34 लाख किसान सम्मिलित है।
- उपरोक्त कुल प्राकृतिक खेती क्षेत्र में से 4 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को "भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति" (BPKP) के तहत एवं 88,000 हेक्टेयर क्षेत्र को नमामि गंगे योजना के तहत प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया गया है।
- 17 लाख हैक्टेयर भूमि को विभिन्न राज्य सरकार की प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के पहल के तहत प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाया गया है।
- वर्तमान "प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन" (NMNF) का लक्ष्य अतिरिक्त 7.5 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के तहत लाना है।

- कृषि मंत्रालय के अनुसार अगले दो वर्षों में ग्राम पंचायत के 15,000 समूहों एवं एक करोड़ किसानों तक प्राकृतिक खेती पद्धति पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए इस राष्ट्रीय मिशन के तहत आवश्यकता आधारित 10,000 जैव–इनपुट संसाधन केंद्र (BRC) स्थापित किए जाएंगे।

❖ यह राष्ट्रीय मिशन पहले की पहल से कितना भिन्न है ?

- वर्तमान की प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (NMNF) पहले की पहल से कई मायने में भिन्न है।
- वर्तमान पहल का बजटीय परिवहन काफी अधिक है एवं इसका लक्ष्य एक करोड़ किसानों तक प्राकृतिक खेती पद्धति को पहुंचाना है।
- इसके अलावा वर्तमान राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य देश में अधिक टिकाऊ प्राकृतिक खेती के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।
- इस राष्ट्रीय मिशन के तहत प्राकृतिक रूप से उगाए गए रसायन–मुक्त उत्पादों के लिए "एकल राष्ट्रीय ब्रांड" की परिकल्पना की गई है।
- इस राष्ट्रीय मिशन के तहत कुल परिवहन 15वें वित्त आयोग (2025–26) तक 2,481 करोड़ रुपए है।
- इनमें से केंद्र सरकार का योगदान 1584 करोड़ रुपए एवं राज्यों का योगदान 897 करोड़ रुपए का होगा।
- इस राष्ट्रीय मिशन के तहत देश के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विश्वविद्यालयों और किसान के खेतों में लगभग 2000 प्राकृतिक खेती मॉडल प्रदर्शन फॉर्म स्थापित किए जाएंगे, जो प्रशिक्षकों द्वारा समर्थित होंगे।
- इस प्राकृतिक खेती मॉडल प्रदर्शन फॉर्म से लगभग 18.75 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो अपने पशुधन का उपयोग करके जीवामृत, बीजामृत जैसे उत्पाद तैयार कर सकेंगे।
- इस राष्ट्रीय मिशन के तहत प्राकृतिक खेती के लिए इच्छुक किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 30,000 कृषि सखी तैनात की जाएगी।

❖ प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन क्यों ?

- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय मिशन का मुख्य उद्देश्य उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से निपटना है।
- कृषि मंत्रालय ने 16 ऐसे राज्यों के 228 जिलों की पहचान की है, जिनमें उर्वरक की खपत अखिल भारतीय औसत खपत (138 kg/हेक्टेयर) से अधिक रही है।

- ये 16 राज्य हैं – आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल है।
- उपरोक्त राज्यों के 228 जिलों में इस राष्ट्रीय मिशन के तहत सर्वप्रथम प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- प्राकृतिक खेती पद्धति किसानों को खेती की इनपुट लागत और बाहरी रूप से खरीदे गए इनपुट पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी।
- प्राकृतिक खेती पद्धति मिट्टी के स्वास्थ्य, उर्वरता और गुणवत्ता को पुनः वापस लाने में मदद करेगी, साथ ही जल जमाव, बाढ़, सूखा आदि जैसी जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलापन बनाएगी।
- प्राकृतिक खेती पद्धति उर्वरकों, कीटनाशकों आदि के संपर्क से होने वाले स्वास्थ्य जोखिम को कम करने सहित किसानों के परिवार को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्रदान करेगी।

❖ नमामि गंगे परियोजना :

- नमामि गंगे परियोजना केंद्र सरकार द्वारा जून 2014 में शुरू की गई एक एकीकृत संरक्षण मिशन है।
- इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के प्रदूषण को कम करके इसे फिर से जीवंत करना था।
- इस परियोजना के लिए 20,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जिसका क्रियान्वयन केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय कर रहा है।

❖ भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP) :

- भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP) की शुरुआत वर्ष 2019 में परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) की एक उप योजना के रूप में की गई थी।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत में पारंपरिक स्वदेशी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है।

❖ परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) :

- वर्ष 2015 में परंपरागत कृषि विकास योजना की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा की गई थी।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत में जैविक खेती को समर्थन और बढ़ावा देना है।